

सब को दूना देना, मैं सब को दूना देना

जय निर्मल माताजी

दिल में सदा रहना
मैं सब को दूना देना

च१) जग मे संकट का रण

किन्ने लिये अवतार, मैं किन्ने लिये अवतार

विश्व मे तूरी महिमा, विश्व मे तूरी महिमा

तू गंगा यमुना ॥ मा..

च२ जो भी शरण में आया

सुख ही मिला उसको, मैं सुख ही मिला उसको
बैठ के दिन में ओ माँ, बैठ के दिन में
ओ माँ,
जैद के ना जाना। मैं।

च३ मानव मे अवतर के
कर दिया उजि थात्ता, मैं कर दिया उजि थात्ता
कलियुग मे माया हे कलियुग मे माया हे
फिर भी पहचाना । मैं..

च ५ संत जनों की धरती
है भारत माता, माँ है भारत माता
इस धरती पर आकर, इस धरती पर आकर
दुःख से दूर करना। माँ..

पै5 जब दिल मे आये तब

मधु संगित सुनलो, मैं मधु संगित सुनलो
होय सके जो सेवा, होय सके जो सेवा
हम से कर लेना। मैं....